Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MAS-402

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination June – 2022

एम.ए. संस्कृत साहित्य, सत्रार्द्ध : चतुर्थ
संस्कृत, प्रश्न-पत्र : द्वितीय
काव्यशास्त्रम्

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. निम्न कारिका की सप्रसंग सोदाहरण व्याख्या करें -
   शब्दार्थचित्रं यत्पूर्वं काव्यद्वयमुदाहृतम्।
   गुणप्राधान्यतस्तस्य स्थितिः शब्दार्थचित्रयोः।।
2. षष्ठोल्लास का सार लिखें।
3. काव्यमीमांसाकार का परिचय देते हुए तृतीय अध्याय का सार लिखें।
4. ध्वन्यालोक के चतुर्थ उद्योत के अनुसार काव्य में आनन्त्य कैसे आता है, वर्णन करें।
5. ध्वन्यालोक के अनुसार रामायण एवं महाभारत का मुख्य रस क्या है? वर्णन करें।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. ओज गुण का स्वरूप सोदाहरण स्पष्ट करें।
7. प्रसाद गुण का लक्षणोदाहरण सहित संक्षिप्त वर्णन करें।
8. त्रिविध संवाद का निरूपण करें।
9. दृष्टपूर्वा अपि ह्यर्थाः काव्येरसपरिग्रहात्।
   सर्वे नवा इवा भान्ति मधुमास इव द्रुमाः।। - इस कारिका की व्याख्या करें।
10. अक्षरादिरचनेव योज्यते यत्र वस्तु-रचना पुरातनी।
    नूतने स्फुरति काव्यवस्तुनि व्यक्तमेव खलु सा न दुष्यति।। - इस कारिका की संक्षिप्त व्याख्या करें।
11. ध्वनि एवं गुणीभूत व्यङ्ग्य का संक्षिप्त वर्णन करें।
12. ध्वन्यालोककार का परिचय देते हुए उनके साहित्य शास्त्रीय योगदान का उल्लेख करें।

----------x----------